Result Mitra Daily Magazine

पेरिस ओलम्पिक के स्विमिंग कॉम्पिटिशन पर संकट

हालिया संदर्भ :-

- ओलंपिक तैराकी स्पद्धाओं की पहली बार मेजबानी करने के 124 साल बाद सीन (Seine) नदी पेरिस ओलंपिक के दौरान मैराथन तैराकी और ट्रायथलॉन स्पर्द्धा की मेजबानी करेगा।
- 1900 में सीन नदी ने पहली बार ओलंपिक तैराकी स्पर्द्धाओं की मेजबानी की थी।

तैराकी पर प्रतिबंध :-

- 1932 में ओलंपिक तैराकी स्पर्द्धाओं के 23 वर्ष बाद बढते यातायात एवं प्रदूषण का हवाला देते हुए नदी में तैराकी पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।
- 1990 ने तत्कालीन राष्ट्रपति जैक्स शिराक ने घोषणा की थी कि नदी स्वच्छ हो गई है और तैरने के लिये पर्याप्त स्वच्छ है।

- पिछले एक सदी में बढते प्रदूषण एवं औद्योगिक कचरे के निस्तारण ने सीन नदी में ई. कोली और एंटरकोकी जैसे बैक्टीरिया की वृद्धि कर दी।
- पिछले 1 दशक में सीन नदी के प्रबंधन के लिये 1.5 बिलियन यूरो का निवेश किया जा चुका है।

वर्तमान स्थिति और विश्व ट्रायथलॉन के लिये मानदंड :-

- पेरिस के सरकारी वेबसाइट के अनुसार (जल गुणवत्ता विश्लेषण के आंकडे) जून में लगातार तीन सप्ताह तक प्रति 100 मिलीलीटर में 1000 कॉलोनी बनाने वाली ईकाईयों (CFU) से अधिक प्रदूषण के साथ सीन नदी को असुरक्षित करार दिया गया था।
- 18 जून को यह स्तर सर्वाधिक 100ML/9000 CFU था, जो प्रदूषण का उच्चतम स्तर है।
- जून के तीसरे सप्ताह में एंटरकोकी (बैक्टीरिया) का स्तर भी तीन बार 100ML/1000 CFU से ज्यादा हो गया।
- विश्व ट्रायथलॉन महासंघ ने 100ML/900 CFU तक की सीमा की अनुमति दी है।

तैयारी स्पर्द्धा पर संकट :-

- 30 जून को ई. कोली का स्तर 2000 CFU तथा एंटरकोकी का स्तर 400 CFU बढ गया, जबकि 24 जून से 2 जुलाई के बीच इसका स्तर अनुमेय सीमा से नीचे रहा।
- 10 जुलाई के आस-पास दिनों में ई. कोली की सांद्रता 600-900 CFU के बीच रहा है, जबकि एंटरकोकी की सांद्रता 100-200 CFU के बीच रही है।

ई.कोली

- ई. कोली या एस्पेरिसिया कोलाई खाद्य पदार्थों के अलावा मनुष्यों तथा जानवरों के आंत में पाया जाता है।
- यह जलीय प्रदूषण का कारण बनता है, जो मानव-जानवर मल के द्वारा पानी में संवाहित होता है।
- यह बैक्टीरिया सामान्यतः हानिकारक रहित होता है लेकिन कभी-कभी ये डायरिया के कारण बन सकते है।
- इसके अलावा इनमें से कुछ निमोनिया एवं अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

एंटरोकोकी

- यह एंटरोकोकस बैसिलोटा संघ का लैक्टिक एसिड प्रकार का बैक्टीरिया है, जो मानव आंत में पाया जाता है।
- यह मुख्य रूप से मेनिन्जाइटिस एवं UTI

सेल्मोनेला टाईफिम्यूरियम

- यह पक्षियों के मल में पाया जाने वाला बैक्टीरिया है, जो मल के द्वारा ही एक पक्षी से दूसरा पक्षी तक पहुँचता है।
- यह बैक्टीरिया मनुष्य एवं जानवर दोनों को संक्रमित कर सकने में सक्षम है।
- यह मुख्य रूप से व्यक्ति के आंत में सूजन का कारण बनता है।

CFU

- यह कॉलोनी बनाने वाले इकाईयों को प्रदर्शित करती है।
- 100 ML/1000 CFU का तात्पर्य यह हुआ कि 100 ML पानी में 1000 कॉलोनी वाली इकाईयाँ है।
- ये आकार में इतने छोटे होते हैं कि इनकी गणना करने के लिये इसे बहुत ज्यादा संवर्धित (Magnify) करना पडता है।

Result Mitra